अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र -3 (2020-2021)

इतिहास (027)

कक्षा-XII

	खंड क	
1.	a) नगर योजना Theme 1 Page no.5	1
2.	d) वे एक अंग्रेज़ चिकित्सक थे Theme 10 Page no. 226	1
3.	c) मनोहर मुखाकृति वाला Theme 2 Page no. 28	1
4.	a) क-III, ख-IV, ग-I, घ-II Theme 3 Page no.57	1
5.	सांची Theme 4 Page no.111 **केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** लुम्बिनी में Theme 4 Page no. 95	1
6.	b) शिव के Theme 6 Page no. 143	1

7.	i) a, b, c Theme 6 Page no. 162	1
8.	तुंगभद्रा Theme 7 Page no. 170	1
9.	d) सर्वत्र शांति Theme 9 Page no. 233	1
10.	b) 1813 में Theme 10 Page no. 263	1
11.	कुदाल पहाड़ियों का प्रतीक था क्योंकि पहाड़ी लोग कुदाल की सहायता से भूमि खुरच लेते थे और झूम खेती करते थे. Theme 10 Page no. 266	1
12.	लार्ड वेलेजली Theme 11 Page no. 296	1
13.	1931 Theme 13 Page no. 361	1
14.	d) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है और कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण है। Theme 13 Page no. 357	1
15.	13 दिसम्बर, 1946 Theme 15 Page no. 11	1
16.	डॉ राजेंद्र प्रसाद	1

	Theme 15 Page no. 405	
	खंड ख	
17.	(1) c) वीरशैव (2) c) सामाजिक आडम्बरों और कुरीतियों पर (3) c) पुनर्जन्म (4) a) कर्नाटक Theme 6 Page no. 146	1+1+1=3
18.	1) d) निर्वाण प्राप्त करना 2) d) व्यक्तिगत प्रयासों द्वारा 3) a) हीनयान 4) c) कथन(A) और कारण(R) दोनों सही है पर कारण(R) कथन(A) का स्पष्टीकरण नहीं है। Theme 4 Page no. 103 **(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए)** (1) c) ईस्ट इंडिया कंपनी को (2) c) औपनिवेशिक नीति का प्रचार (3) d) अंग्रेजों का एजेंट (4) a) एक चिकित्सक Theme 10 Page no. 275	1+1+1=3
19.	(1)(b) वह एक निषाद था। (2)(b) एकलव्य का अंगूठा माँग कर (3)(c) कुरु (4) (b) द्रोणाचार्य को Theme 3 Page no. 62	1+1+1=3
	खंड ग	
20.	1) 1813 में यह ब्रिटिश संसद में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन के विषय में प्रस्तुत की गयी रिपोर्ट थी। 2) इसमें कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है।	3

	3) 1002 पृष्ठों 800 से अधिक परिशिष्टों में यह तैयार की गयी थी। 4) कोई अन्य मान्य बिन्दु। Theme 10 Page no. 263	
21.	1) महाभारत का प्रारंभिक रूप 10,000 श्लोकों से भी कम जो कालांतर में बढ़कर एक लाख से अधिक हो गए । 2) महाभारत के विभिन्न घटनाओं, दृश्यों तथा कथाओं का चित्रण समय-समय पर फिल्मों, नाटक नृत्य तथा चित्रों के माध्यम से हमारे समक्ष आता रहता है। 3) इस ग्रंथ की रचना एक हजार वर्ष तक होती रही, इसमें विभिन्न सामाजिक श्रेणियों व परिस्थतियों का लेखा-जोखा है। 4) महाभारत की अनेक पुनार्व्याखाएं की गयी । 5) अनेक प्रसंगों को मूर्तिकला और चित्रों में दर्शाया गया । 6) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 3 Page no. 77	3
22.	1) संथाल विद्रोह 1855 से 1856 तक चला, यह विद्रोह भागलपुर से लेकर राजमहल की पहाड़ियों तक फैल गया। 2) संथाल विद्रोह के प्रमुख नेता चांद, सीधू मांझी, कान्हू व भैरव थे। 3) संथाल विद्रोह का प्रमुख कारण था- ब्रिटिश सरकार संथालों की कृषि भूमि पर भारी भूराजस्व लगा रही थी। 4) साहूकार(दीकू) ऊंची दर पर ब्याज वसूल रहे थे, दीकुओं द्वारा संथालों की जमीनों पर कब्जा किया जा रहा था। 5) जमींदारों, साहूकारों व ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा दामिन- इ- कोह इलाके पर अतिक्रमण किया जा रहा था।	3

	6) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 10 Page no. 272	
23.	1) उद्देश्य प्रस्ताव में आजाद भारत के मूल आदर्शों की रुपरेखा पेश की गई थी। 2) उद्देश्य प्रस्ताव के माध्यम से उस फ्रेमवर्क को प्रस्तुत किया गया, जिसके अनुसार संविधान निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया गया। 3) प्रस्ताव में यह सुनिश्चित किया गया कि समस्त भारत के लोगों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा, अवसर और न्याय की समानता प्राप्त होगी। 4) अभिव्यिक्त, उपासना, व्यवसाय आदि की मौलिक स्वतंत्रता होगी। 5) अल्पसंख्यक एवम पिछड़े वर्ग के तथा जनजातियों के लिय्रे रक्षात्मक प्रावधान होगा । 6) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 15 Page no. 411	3
	खंड घ	
24.	1)- सिंधु सभ्यता के नगरों का विन्यास ग्रिड पद्धति पर नियोजित है। 2) सड़कें समकोण पर काटती हैं। मकान हवादार बने हुए थे। 3) सिंधु सभ्यता के नगरों की सड़कें पूरब से पश्चिम व उत्तर से दक्षिण की ओर जाती हैं। 4) चार सड़कों से घिरे आयताकार आवासीय भवन निर्मित किए गए हैं 5)सिंधु घाटी की ईंटें एक निश्चित अनुपात में बनाई जाती थीं, अधिकांश ईंटें आयताकार होती थी- ईंटों की लंबाई, चौड़ाई व मोटाई का अनुपात 4:2:1 था। 6) नगरों को दुर्ग व निचले शहर में विभाजित किया गया था। 7) दुर्ग क्षेत्र को कच्ची ईंटों के चबूतरे पर बनाया गया था।	8

8) दुर्ग में खाद्य भंडारगृह, महत्वपूर्ण कार्यशालाएं, धार्मिक इमारतें थीं

9)इसकी जल निकासी प्रणाली अत्यंत उत्कृष्ट थी ।

10) नालियाँ ढकी हुयी थीं ।

11) कोई अन्य मान्य बिन्दु

अथवा

1) जॉन मार्शल के बारे में ये शब्द श्री एम एन राव ने अपनी पुस्तक "द स्टोरी ऑफ़ इंडियन अर्केओलोजी में लिखा है.
2) ऐसा उन्होंने जॉन मार्शल की प्रशंसा में कहे हैं क्योंकि अपनी खोज, अन्वेषण तथा उत्खनन के द्वारा जॉन मार्शल ने ये साबित कर दिया की हड़प्पा संस्कृति 3000 वर्ष पुरानी सभ्यता थी ।
3) अपनी खोजों के आधार पर भारतीय पुरातत्व के डायरेक्टर जनरल जॉन मार्शल ने 1924 में पूरे विश्व के समक्ष सिन्धु घटी में एक नयी सभ्यता की खोज की।
4) ऐसा इसलिए था क्योकि मेसोपोटामिया के पुरास्थलों में हुए उत्खननों से हड़प्पा पुरास्थलों पर मिली मुहरों जैसी, पर तब तक न पहचानी न जा सकी, मुहरें मिली थी । इस प्रकार न केवल विश्व को न केवल एक नयी सभ्यता की जानकारी मिली, पर यह भी की वह मेसोपोटामिया के समकालीन थी ।
5) भारतीय पुरातत्व विभाग के डायरेक्टर जरनल के रूप में जॉन मार्शल का कार्यकाल वास्तव में भारतीय पुरातत्व में एक व्यापक परिवर्तन का काल था ।
6) वे इस विभाग में पहले पेशेवर पुरातत्वविद थे और वे यूनान तथा क्रीट में अपने कार्यों का अनुभव साथ लाये थे ।
7) कनिंघम की तरह उन्हें भी आकर्षक खोजों में दिलचस्पी थी ।
8) उनमें दैनिक जीवन की पद्धतियों को जानने में उत्सुकता थी ।
9) इनकी कार्यकुशलता की वजह से हड़प्पा सभ्यता की बहुत से पहलू दुनिया के समक्ष आ सके ।

	10) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 1 Page no. 20	
25.	1) गुरु नानक के सन्देश उनके भजनों और उपदेशों में निहित है । 2) उन्होंने निर्गुण भक्ति का प्रचार किया । 3) धर्म के सभी बहरी आडम्बरों को उन्होंने अस्वीकार किया जैसे यज्ञ, अनुष्ठान, स्नान, मूर्ति पूजा व कठोर तप । 4) हिन्दू तथा मुसलमानों के धर्मग्रंथों को भी नाकारा । 5) बाबा गुरु नानक के लिए परम पूर्ण रब का कोई लिंग या आकार नहीं है । 6) रब की उपासना का सबसे सरल उपाय है उनका निरंतर स्मरण और नाम का जाप । गुरु नानक किसी नवीन धर्म की स्थापना नहीं करना चाहते थे किन्तु उनके अनुयायियों ने उनकी मृत्यु के बाद स्वयं को संगठित कर हिन्दू तथा मुसलमान से खुद को अलग किया । 7) बाबा गुरुनानक की शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुट करने में सहायक है। 8) वर्तमान युग में भी उनकी शिक्षाएँ मानवता और धर्मनिरपेक्षता का संदेश देने के कारण उतनी ही प्रसंगिक है जब कही गई थी। 9) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 6 Page no. 162 **अथवा** 1) सूफियों ने रूढ़िवादी परंपराओं का विरोध किया। 2) एकेश्वरवाद पर ज़ोर दिया। 3) प्रेम और रहस्यवाद के निजी अनुभवों के आधार पर परमात्मा की अनुभूति	6+2

	संभव है। 4) निराकार व निर्गुण परमेश्वर की आराधना। 5) पारस्परिक सहिष्णुता व सामुदायिक सद्भावना पर जोर। 6) शारीरिक श्रम की प्रतिष्ठा का समर्थन। 7) पैगंबर मुहम्मद को इंसान-ए-कामिल बताया। 8) मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है। 9) जियारत, उर्स और कव्वाली 10) ईश्वर का जिक्र और इश्क़ 11) लंगर का फ़ुतूह पर चलना। 12) चिश्ती सिलसिला में दीक्षितों के सिर का मुंडन, यौगिक प्राणायाम,शेख के समक्ष झुकना आदि। 13) कोई अन्य मान्य बिन्दु (समग्रता में मूल्यांकन) Theme 6 Page no. 152	
26.	1) अवध के नवाब वाजिद अली शाह को अपदस्थ कर कुशासन के आधार पर फरवरी 1856 ई. में अवध को ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया, जबकि अवध से अधिक अंग्रेजों का समर्थक तथा आज्ञाकारी राज्य कोई भी नहीं था। 2) डलहौजी ने उचित और अनुचित तरीकों से देसी राज्यों का अधिग्रहण किया। 3) अंग्रेजों की आर्थिक शोषण की नीति ही विद्रोह का प्रमुख कारण थी।	8

4) हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए कानून बनाए गए, जैसे सती प्रथा, कन्या-वध, बाल विवाह का निषेध व विधवा विवाह का समर्थन। पंडित और मौलवियों ने इन्हें अपनी संस्कृति के विरूद्ध माना।

5) 1813 ई. में ईसाई मिशनरियों के आगमन के साथ ही भारत में ईसाई धर्म का प्रचार प्रारंभ होना और भारतीयो में संदेह ।

6) गोरे अफसर भारतीयों सिपाहियों के साथ दुर्व्यवहार करते थे।

7) 1856 में सरकार ने न्यू इन्फील्ड राइफल के प्रयोग का निश्चय किया, इस राइफल में कारतूस को प्रयोग करने से पहले ऊपरी भाग को मुंह से काटना पड़ता था। चर्बी वाले कारतूस की घटना व अपवाह ने बारूद के ढेर में चिंगारी का काम किया।

8) राजनैतिक,सामाजिक,आर्थिक,धार्मिक और तात्कालिक कारणो के कारण क्रांति हुई।

9) कोई अन्य मान्य बिन्दु

Theme 11 Page no. 296

अथवा

1) विद्रोही भारत से ब्रिटिश शासन सत्ता को उखाड़ना चाहते थे।

2) विद्रोही जागीरदार, ताल्लुकदार, किसान, काश्तकार, देसी राजा अपने हकों के अस्तित्व के लिए लड़ रहे थे।

3) वे अपने राज्यों, रियासत व जागीरों को पुन: प्राप्त करना चाहते थे

4) भूराजस्व प्रणाली व लगान वसूली की समाप्ति चाहते थे।

5) बुनकरों, शिल्पकारों, कारीगरों को बेरोजगार कर दिया गया था- कारीगरों व दस्तकारों को विश्वास था कि ब्रिटिश शासन समाप्त होते ही उनकी

	स्थिति उन्नत हो जाएगी। 6) विद्रोही नेता 18वी सदी की पूर्व ब्रिटिश दुनिया को पुनर्स्थापित करना चाहते थे. 7) भारत की गरिमापूर्ण संस्कृति की पुनर्स्थापना चाहते थे। 8) ईस्ट इंडिया कंपनी अधिकारियों द्वारा भारतीय सैनिकों को अपमानित किया जाता था, इसलिए विद्रोही सैनिक अपना आत्मसम्मान व आत्मगौरव चाहते थे। 9) कोई अन्य मान्य बिन्दु Theme 11 Page no. 300	
	खंड ड	
27. 27.1 27.2 27.3	**राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?** राष्ट्र की भाषा न तो संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू. यह दोनों का सुंदर मिश्रण होना चाहिए । क्षेत्रीय तथा विदेशी भाषओं के शब्दों को राष्ट्र भाषा में शामिल करने से ये शब्द घुल मिल कर राष्ट्र की भाषा समृद्ध बनाते हैं । ऐसा करने से मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्ति नहीं मिल पाती है और ऐसा करने से देश की एकता और अखंडता को चोट पहुँचती है। Theme 15 Page no. 425	1+2+2
28.	**अग्नि की प्रार्थना** वैदिक संस्कृत इसलिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि इसके अंतर्गत अग्नि, इंद्र, सोम	2+1+2

28.1 28.2 28.3	आदि देवताओं को प्रसन्न करने के लिए उनकी स्तुति की जाती थी। दो प्रमुख वैदिक पंरपराएं प्रचलित थी - 1) मवेशियों, पुत्रों, लंबी आयु के लिए कामना 2) दैनिक यज्ञों के द्वारा देवताओं की स्तुति की जाती थी। राजाओं व सरदारों के द्वारा राजसूय और अश्वमेध यज्ञ किए जाते थे। देवताओं को खुश करने के लिए आहुतियां दी जाती थी। Theme 4 Page no. 84	
29. 29.1 29.2 29.3	**कॉलिन मैकेन्जी** कॉलिन मैकेन्जी एक अभियंता, सर्वेक्षक एवं मानचित्रकार था। 1815 में उसे भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया। मैकेन्जी ने विजय नगर के ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण कराया एवं स्थानीय भाषा शैली का अध्ययन करके स्थानीय परंपराओं का संकलन किया। विजयनगर साम्राज्य के अध्ययन से ईस्ट इंडिया कंपनी को यह विश्वास हो गया कि, स्थानीय कबीलों के बारे में जानकारी हासिल करके कई संस्थाओं के कानूनों व रीति-रिवाजों के बारे महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सकती है। Theme 7 Page no. 171	1+2+2
	खंड च	

30. 30.1	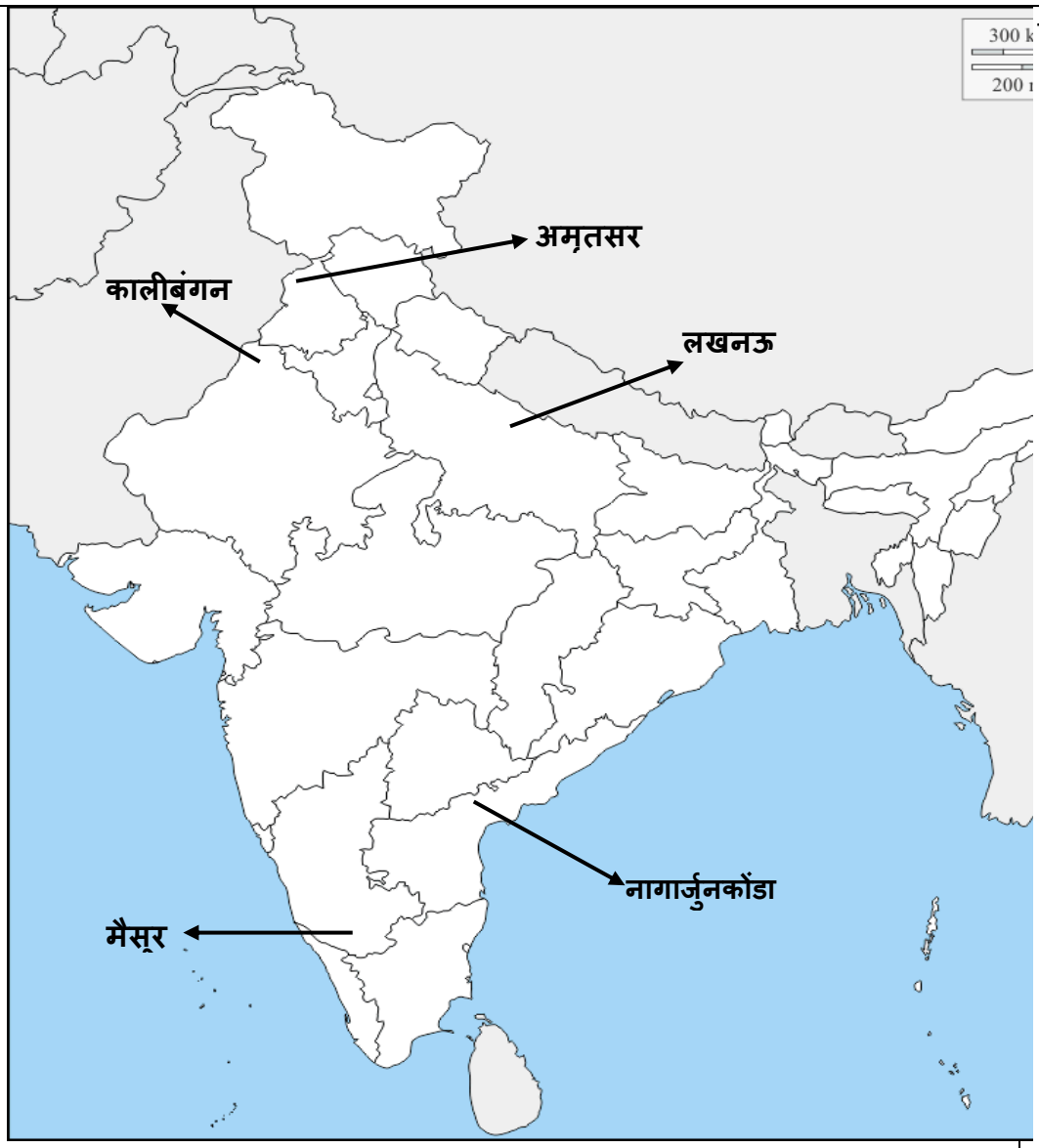 	1+1+1
30.2	A)बोधगया B)श्रावस्ती Theme 4 **<u>दृष्टिबधितों के लिए:</u>** 30. 1. मुंबई, सतारा, पटना (कोई अन्य मान्य स्थल) **अथवा**	1+1

	सारनाथ, श्रावस्ती, साँची (कोई अन्य मान्य स्थल) 30. 2. मोहनजोदड़ो, कालीबंगन(कोई अन्य मान्य स्थल)	